पाठ 1. समय

I. मौखिक कौशल

1. समय निकल जाने पर आदमी पछताता है। **2.** श्रम करने से मनुष्य धन दोबारा पा सकता है।
3. बापू की घड़ी उनकी कटि अर्थात् कमर में लटकती रहती थी।

II. लिखित कौशल

1. जिसने समय को नहीं समझा, समय भी उसकी कद्र नहीं करता तथा उसके लाख प्रयत्न करने पर भी लौटकर नहीं आता।
2. कवि ने कहा है कि पढ़ने से विद्या दोबारा प्राप्त हो सकती है।
3. कवि के अनुसार, समय रूपी पूँजी खो जाने पर दोबारा नहीं मिल पाती।
4. कवि कह रहे हैं कि बच्चों को अपने जीवन के प्रति पल का लाभ उठाना चाहिए तथा अपनी दिनचर्या के लिए ऐसे नियम बनाने चाहिए कि उनका समय व्यर्थ न हो पाए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) घड़ी, मूल्यवान (ख) गाँठ, व्यर्थ **2.** (क) (ii) (ख) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

यह कविता समय-पालन की सीख दे रही है। इस कविता से संदेश मिलता है कि हमें अपने जीवन में सदैव समय का महत्व समझना चाहिए। समय वह मूल्यवान वस्तु है जो यदि खो जाए तो पुनः प्राप्त नहीं की जा सकती। साथ ही, इस कविता के माध्यम से श्रम तथा विद्या की उपयोगिता भी बताई गई है।

V. भाषा कौशल

1. (क) घड़ी (ख) विद्या (ग) जीवन (घ) ढोना (ङ) क्षण (च) स्वास्थ्य
2. (क) समय, समय देखने का यंत्र (ख) हाथ, करना (क्रिया का रूप)
(ग) संख्या, एक प्रकार की धातु
3. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. 2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 2. पागल हाथी

I. मौखिक कौशल

1. मोती राजा साहब की खास सवारी का हाथी था।
2. जंगल के हाथियों ने मोती के पैरों में पड़ी ज़ंजीरें और गले में बंधी रस्सी देखकर उससे मुँह फेर लिया।
3. मुरली मोती को वापस राजमहल में लेकर आया।

II. लिखित कौशल

1. मोती ने क्रोध में अपने महावत को मार डाला, जिससे राजा साहब को गुस्सा आया।
2. मोती अपनी दशा देखकर ज़ोर-ज़ोर से चिंघाड़ता और उछलता। एक दिन उसने गले में बंधी रस्सी और पैरों में पड़ी ज़ंजीरें तोड़ डालीं तथा जंगल की ओर भाग निकला।
3. जंगल में पहुँचकर मोती सबसे पहले एक नदी में खूब नहाया तथा उसके बाद अपने साथियों को ढूँढ़ने लगा।
4. मोती ने रास्ते में राजा साहब को शिकारियों के साथ आते देखा। वह गरजता हुआ उनकी ओर दौड़ा। मोती को अपनी ओर आता देख राजा साहब घबराकर भागे।
5. मुरली को देखकर मोती सोचने लगा, 'मैंने ही इसके पिता को मार डाला है।'
6. जब मुरली मोती को लेकर राजमहल में पहुँचा तब उन्हें देखकर सबने दाँतों तले उँगली दबा ली। किसी ने उनके पास जाने की हिम्मत न दिखाई। राजा साहब को भी बहुत अचंभा हुआ कि वही पागल हाथी अब गाय की तरह सीधा हो गया है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ङ) (ग) (ख) (क) (घ) **2.** (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पंक्ति से पता चलता है कि मुरली में केवल साहस ही नहीं था बल्कि वह अपने बचपन के मित्र मोती से बहुत प्यार भी करता था। वह जानता था कि यदि मोती को प्रेम किया जाए तो वह ऐसा पागलपन छोड़ देगा।
2. (ख) जब मुरली ने मोती को पेड़ के ऊपर से पुचकारा तब वह खुशी से सूँड़ हिलाने लगा।

V. भाषा कौशल

1. (क) समझदारी (ख) भूख (ग) प्यार (घ) गुलामी (ङ) लालच (च) दया (छ) क्रोध
2. (क) बहुत क्रोधित होना (ख) नाराज़ हो जाना (ग) बहुत हिम्मत दिखाना (घ) आश्चर्यचकित होना
3. (क) पुल्लिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिंग (ङ) स्त्रीलिंग (च) स्त्रीलिंग
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. 2. 3. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 3. सच्चा हीरा

I. मौखिक कौशल

1. चारों स्त्रियाँ सूर्यास्त के समय कुएँ पर आई थीं।
2. चारों स्त्रियों के नाम थे–कमला, विमला, सरला तथा राधा।

II. लिखित कौशल

1. गाँव के कुएँ पर स्त्रियाँ पानी भरते-भरते बातें कर रही थीं।
2. सबसे पहले कमला ने अपने बेटे के बारे में बताया। उसने बताया कि उसका बेटा गायक है तथा उसके गीत सुनकर कोयल और बुलबुल भी चुप हो जाती हैं। लोग बड़े चाव से उसके गीत सुनते हैं।
3. विमला ने अपने बेटे की तुलना भीम से इसलिए कि क्योंकि उसका बेटा पहलवान था और वह बहुत शक्तिशाली एवं बहादुर था।
4. सरला ने अपने बेटे के बारे में बताया कि वह बहुत बड़ा विद्वान है। वह जो कुछ पढ़ता है, एकदम याद कर लेता है मानो उसके मस्तिष्क में सरस्वती का निवास हो।
5. राधा के बेटे ने माँ के पास पहुँचकर माँ के सिर से घड़ा उतारकर अपने सिर पर रख लिया।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गायक (ख) पहलवान (ग) विद्वान (घ) सूर्यास्त
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. मुझे चारों स्त्रियों में से राधा का बेटा सबसे अच्छा लगा क्योंकि उसने अपनी माँ की सेवा की।
2. राधा के चरित्र से शिक्षा मिलती है कि हमें धीरज रखना चाहिए तथा प्रशंसा पाने के लिए लोगों के सामने बड़ी-बड़ी बातें नहीं करनी चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) वे (ख) तुम्हारा (ग) वह (घ) उसका (ङ) वह (च) मुझे (छ) उसने (ज) तुम
2. (क) झूठा (ख) कायर (ग) इधर (घ) चढ़ाना (ङ) सूर्योदय (च) शहर
3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (1) पहलवान (2) संस्कृत (3) पास (4) सरस्वती (5) जल (6) औरत (7) गायक (8) करोड़

शेष प्रश्न बच्चे स्वयं करें।

पाठ 4. मुझमें भी प्राण हैं

I. मौखिक कौशल

1. रीना थकान मिटाने के लिए सोफ़े पर बैठ गई।
2. सपने में रीना स्कूल जाने के लिए घर से निकल रही थी।
3. रीना के सामने नदी के रूप में एक स्त्री प्रकट हुई।
4. कमरे से बाहर आने पर रीना ने देखा कि माँ पिता जी को पॉलिथीन पकड़ा रही हैं।

II. लिखित कौशल

1. रीना के घर में पूजा थी। सुबह से ही वह माँ के साथ हर काम में हाथ बँटा रही थी इसलिए वह थक गई थी।
2. पूजा समाप्त होने के बाद माँ साफ़-सफ़ाई करने लगीं। उन्होंने पूजा के फूल एवं मालाएँ, धूप-अगरबत्ती के अधजले टुकड़े, मिट्टी के कलश और कुछ पुरानी पीली पड़ गई तस्वीरें एक बड़ी-सी पॉलिथीन में भरकर रख दिए।
3. रीना ने सपने में पॉलिथीन को नदी में फेंका था।
4. स्त्री ने नदी के रूप में रीना को अपना परिचय दिया। उसने कहा, "मैं नदी हूँ। वही नदी, जिसे दूषित कर मानव हमेशा भूल जाता है।"
5. स्त्री ने गंगा, यमुना, कावेरी, गोमती आदि नदियों का नाम लिया था।
6. रीना की अध्यापिका ने उसे नदियों द्वारा सभ्यता के विकास तथा गाँवों-नगरों के बसने के बारे में बतलाया था।
7. सपना टूटने के बाद रीना के मन से आवाज़ आई, 'रीना! जब जागो तभी सवेरा। आओ, प्रण करो कि नदियों को प्रदूषित होने से बचाएँगे। इसके लिए लोगों को जागरूक बनाएँगे।'
8. पिता जी ने रीना को कहा, "ये हुई न बात! अब मैं सबको कह सकता हूँ कि मेरा नाम करेगी रोशन, जग में मेरी राजदुलारी!"

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) अस्पष्ट (ख) पुल (ग) परिचय (घ) गला (ङ) नदियों
2. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पाठ द्वारा हमें अपने पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने का संदेश मिलता है। यह पाठ हमें बताता है कि नदी-तालाबों में कूड़ा-कचरा डालने या पशुओं को नहलाने से जल प्रदूषित होता है, इसकी रोकथाम करना आवश्यक है। जल हमारा प्राकृतिक संसाधन है इसका कोई विकल्प नहीं है इसलिए इसे व्यर्थ तथा दूषित करने से बचाना होगा।
2. नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए हमें निम्नलिखित उपाय करने चाहिए–
   (i) नदियों में कूड़ा-कचरा डालना बंद करना होगा।
   (ii) कल-कारखानों से निकलने वाले हानिकारक पदार्थ जो नदियों में बहाए जाते हैं, उनपर रोक लगानी होगी।
   (iii) नालों के गंदे पानी को नदियों में मिलने से रोकना होगा।
   (iv) नदियों की सफ़ाई से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे।

V. भाषा कौशल

1. (क) राजदुलारी (ख) जलधारा (ग) कार्यक्रम (घ) अगरबत्ती
2. (क) अपवित्र (ख) अस्पष्ट (ग) अस्वच्छ (घ) अहित
3. (क) विसर्जन (ख) रासायनिक (ग) विषैला (घ) साइकिल
4. (क) माँ ने तस्वीर दीवार पर टाँग दी।
   (ख) पिछले महीने अनुष्का के दादा जी की मृत्यु हो गई।
   (ग) तपन ने सपना देखा कि उसे इस बार की चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मिला है।
   (घ) राधा ने दरवाज़ा खोला और बाहर खड़े व्यक्ति से उनका परिचय पूछा।
   (ङ) चोट लगने के कारण विमल के पैर में बहुत पीड़ा हो रही है।
5. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 5. लोकमान्य तिलक

I. मौखिक कौशल

1. लोकमान्य तिलक का पूरा नाम केशव गंगाधर तिलक था।
2. लोकमान्य तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र में हुआ था।
3. लोकमान्य तिलक की मुत्यु 1 अगस्त 1920 को हुई थी।

II. लिखित कौशल

1. गणित का प्रश्न था–यदि 5 भेड़ें किसी मैदान की सारी घास 28 दिनों में चर सकती हैं तो 20 दिनों में उस मैदान को कितनी भेड़ें चर पाएँगी?
2. जब अध्यापक ने कॉपी पर लिखकर प्रश्न हल करने की बात कही तो बाल ने कहा, "पर गुरु जी जब मैं मौखिक रूप से प्रश्न हल कर सकता हूँ तो लिखने की क्या आवश्यकता है?"
3. बड़ा होने पर बाल गंगाधर तिलक की गिनती महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक के रूप में होने लगी।
4. लोकमान्य तिलक ने नारा दिया था–'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।'
5. लोकमान्य तिलक को सन् 1908 में अंग्रेज़ सरकार के खिलाफ़ राजद्रोह करने के कारण गिरफ़्तार किया गया था।
6. मांडले जेल में लोकमान्य तिलक ने अपना अधिकांश समय पढ़ने-लिखने में व्यतीत किया।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) मराठी भाषा का समाचार पत्र–केसरी (ख) अंग्रेज़ी भाषा का समाचार पत्र–मराठा
   (ग) लोकमान्य तिलक की जेल से रिहाई–सन् 1914
   (घ) लोकमान्य तिलक की गिरफ़्तारी–सन् 1908
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. लोकमान्य तिलक के जीवन से हम यह प्रेरणा ले सकते हैं कि–
   (i) हम अपने देश के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहें।
   (ii) हम अपने आस-पास व्याप्त सामाजिक बुराइयों या कुरीतियों का विरोध करने एवं उन्हें दूर करने के लिए प्रयास करें।
   (iii) आत्मविश्वास रखें एवं अपने निर्णयों पर अडिग रहें।
   (iv) विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए साहस एवं धैर्य बनाए रखें।
2. इस पंक्ति से पता चलता है कि तिलक स्त्रियों को पुरुषों के समान ही महत्व देते थे। उनकी दृष्टि में स्त्री शिक्षा समाज में सुधार लाने का हथियार इसलिए थी क्योंकि वे मानते थे कि यदि एक स्त्री बिना पढ़े-लिखे भी अपने घर-परिवार को भली प्रकार सँभाल सकती है तो यदि उसे शिक्षित किया जाए तो वह न केवल अपने घर-परिवार में बल्कि अपने समाज तथा देश में भी बदलाव और सुधार ला सकती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) की (ख) के (ग) का (घ) की (ङ) के (च) का

2. (क) तिलक ने उत्तरों को भली-भाँति याद कर लिया था।

(ख) अंगुलिमाल सबकी उँगलियाँ काटकर माला पहनता था।

(ग) शहरों की अपेक्षा गाँवों में प्रदूषण कम होता है।

(घ) सभी स्त्रियाँ एक साथ कुएँ पर पानी भरने गईं। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) 8 घंटे (ख) 16 मिस्त्री **2.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 7. मैं सबसे छोटी होऊँ

I. मौखिक कौशल

1. कवि ने अपने आपको छोटी बच्ची के रूप में प्रस्तुत किया है।
2. इस कविता के रचयिता सुमित्रानंदन पंत हैं।

II. लिखित कौशल

1. कवि की इच्छा है कि वह कभी बड़ा न होएँ और सदा अपनी माँ के आँचल की छाया में उसका स्नेह प्राप्त करते रहें।
2. कवि ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि कवि समझते हैं कि जब हम (बच्चे) बड़े हो जाते हैं तब माँ हमारे साथ दिन-रात नहीं रहतीं। वे हमारा हाथ पकड़कर हमारे साथ नहीं चलतीं। हमें अपने हाथ से खिलाती-पिलाती नहीं हैं तथा हमें कहानियाँ भी नहीं सुनातीं। हमें बड़ा करके वह हमें वह प्यार नहीं देतीं जो वह हमारे बच्चा बने रहने पर देती थीं।
3. इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहना चाह रहे हैं कि वे बड़ा होना नहीं चाहते। वे तो सदा अपनी माँ के आँचल की छाया में उसका स्नेह पाना चाहते हैं। जहाँ वे बिना किसी डर के, जीवन के बंधनों से दूर माँ का ममत्व प्राप्त करते रहें और माँ की गोद में बैठकर चंद्रमा को देखा करें।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. खिलौने, सुखद 2. (क) (i) (ख) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

यह कविता हमें माँ के प्रति प्रेम, हमारे कर्तव्यों के निवर्हन तथा माँ के स्नेह को समझने का संदेश दे रही है। माँ बालक के जीवन की वह मज़बूत आधारशिला होती है जो बच्चे की जीवन रूपी इमारत को सँभाले रखती है। प्रत्येक बालक को अपनी माँ के स्नेह, त्याग तथा कर्तव्यों का सम्मान करना चाहिए तथा अपनी माँ की सेवा-आदर को सर्वोपरि स्थान देना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) हस्त, कर (ख) माता, जननी (ग) दिवस, वार (घ) रात्रि, निशा
2. (क) आज आसमान में बहुत धूल उड़ रही है।
   (ख) यात्री पेड़ की छाया में आराम करने लगा।
   (ग) पशु-पक्षी भी स्नेह की भाषा समझते हैं।
3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 8. सच्ची ईद

I. मौखिक कौशल

1. असलम की आयु दस वर्ष थी।
2. असलम ने मन-ही-मन ठान लिया था कि इस बार वह रोज़े रखेगा और ईद पर नए कपड़े भी अवश्य लेगा।
3. पाठशाला से लौटते समय असलम रहीम चाचा की दुकान के सामने रुक जाता था।
4. असलम ने रुपये मोहन को दे दिए।

II. लिखित कौशल

1. असलम रोज़े रखने के लिए हठ करने लगा।
2. असलम ने रोज़े रखने शुरू कर दिए थे। वह अम्मी के साथ सुबह चार बजे उठ जाता और थोड़ा-बहुत जो अम्मी बना देतीं, चुपचाप खा लेता फिर सारा दिन कुछ नहीं खाता, पानी तक नहीं पीता। इसी बीच वह पाठशाला भी जाता। यह सब देखकर अम्मी को उसकी चिंता होने लगती थी।
3. असलम की अम्मी ने उसे नए कपड़े दिलवाने के लिए दिन-रात एक करके कपड़ों पर कढ़ाई का काम किया।
4. असलम रहीम चाचा की दुकान पर न जाकर अपने मित्र मोहन के घर चला गया क्योंकि मोहन के पिता पिछले दो महीने से बहुत बीमार चल रहे थे जिससे वह काम पर नहीं जा पाते थे। घर में दवा के लिए भी पैसे नहीं थे। दो महीने से मोहन ने पाठशाला का शुल्क जमा नहीं किया था और उसके घर में खाने के लिए भी कुछ नहीं बचा था। असलम मोहन की मदद करना चाहता था।
5. असलम ने मोहन से कहा, "मेरे भाई, इन रुपयों से अपने पिता का इलाज करवाओ और पाठशाला जाकर शुल्क जमा करा आओ।"
6. असलम से पूरी बात जानने के बाद अम्मी ने असलम को अपने सीने से लगाते हुए कहा, "मेरे लाल, तुम एक नेक बच्चे हो! आज तुमने सच्ची ईद मनाई है।"

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ख) (घ) (ग) (ङ) (क) 2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से पता चलता है कि असलम की अम्मी असलम से बहुत प्यार करती थीं। वे असलम को उसके पिता की कमी महसूस नहीं होने देना चाहती थीं। वे असलम की इच्छा पूरी करने का हर संभव प्रयास करती थीं। इससे असलम के प्रति उनके असीम प्रेम का पता चलता है।
2. ज़रूरत पड़ने पर हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए। कई बार दूसरों की परेशानियों को दूर करने के लिए अपनी खुशियों का त्याग करना पड़ता है। इसका सच्चा उदाहरण असलम ने प्रस्तुत किया। अत: असलम ने दूसरों की मदद करना तथा त्याग जैसे मानवीय गुणों का परिचय दिया है।

V. भाषा कौशल

1. (क) खोला (ख) खरीदने थे (ग) बैठा था (घ) पहुँचा (ङ) बताई (च) पहनेगा (छ) मनाई है
2. (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) जातिवाचक संज्ञा (ग) भाववाचक संज्ञा (घ) जातिवाचक संज्ञा (ङ) भाववाचक संज्ञा (च) जातिवाचक संज्ञा
3. (क) पुराना (ख) दुश्मन (ग) बुरा (घ) गीली (ङ) सुबह (च) उदास
4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. बैसाखी, बकरीद, दीपावली, अक्खा तीज, क्रिसमस, पोंगल, होली, बिहु, ओणम, दशहरा
2. बच्चे स्वयं करें। **3.** पानी, चीनी, घी, इलायची, सेवइयाँ, दूध, खोया, केवड़ा

पाठ 9. सुनीता विलियम्स के अनुभव

I. मौखिक कौशल

1. भारत के प्रथम अंतरिक्षयात्री का नाम राकेश शर्मा था।
2. सुनीता विलियम्स अमरीका में रहती हैं।
3. सुनीता विलियम्स के पिता धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं।
4. कल्पना चावला की मृत्यु सन् 2003 में हुई थी।

II. लिखित कौशल

1. सुनीता विलियम्स को बचपन से ही जानवरों से लगाव था इसलिए वे पशु चिकित्सक बनना चाहती थीं।
2. अंतरिक्षयात्री को इलेक्ट्रिशियन की जानकारी, कंप्यूटर का विशेष ज्ञान तथा एक डॉक्टर के गुणों से भरपूर होना चाहिए।
3. सुनीता विलियम्स को भारतीय व्यंजन विशेषकर 'ढोकला' बहुत पसंद है। उन्हें भारतीय ग्रंथ 'श्रीमद्‌भगवद्‌गीता' द्‌वारा मन को मज़बूत रखने की प्रेरणा मिलती है। भारतीय व्यंजन और भारतीय ग्रंथ के साथ होने पर उन्हें अपने घर से जुड़े रहने का अनुभव होता है।
4. सुनीता विलियम्स के पिता ने उन्हें भारतीय मूल का होने का हमेशा ध्यान दिलाया। जब वे छोटी थीं तब उनके पिता ने उन्हें 'लॉर्ड हनुमान' नामक कॉमिक्स लाकर दी। जब वे थोड़ी बड़ी हुईं तब उनके पिता ने उन्हें गांधी जी की आत्मकथा 'माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ' पढ़ने को दी। इन पुस्तकों से सुनीता को बहुत प्रेरणा मिली।
5. एलियंस के बारे में सुनीता विलियम्स ने बताया कि अंतरिक्ष स्टेशन के लगातार चलते रहने के कारण कभी-कभी अचानक सूर्य के सामने होने या कभी चाँद के सामने होने पर कुछ प्रतिबिंब दिखाई देते हैं। ये प्रतिबिंब किसी के खड़े होने का भ्रम पैदा करते हैं और हम उन्हें 'एलियंस' मानने की भूल कर बैठते हैं।
6. सुनीता विलियम्स ने बच्चों को दुनिया में आपसी भाईचारा फैलाने का संदेश दिया।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही
2. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. (क)
2. एक अंतरिक्षयात्री से हम संयमित जीवन शैली, परिश्रम, विपरीत परिस्थितियों का सामना करने का साहस, जिज्ञासु प्रवृत्ति, दृढ़-निश्चयी एवं धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) सकर्मक (ख) सकर्मक (ग) सकर्मक (घ) अकर्मक (ङ) सकर्मक (च) सकर्मक (छ) अकर्मक (ज) सकर्मक
2. (क) भारत + ईय (ख) आयोजन + इत (ग) उत्साह + इत (घ) आवश्यक + ता (ङ) धर्म + इक (च) सीमा + इत
3. (क) सागर, रत्नाकर (ख) पर्वत, गिरि (ग) दोस्त, सखा (घ) जगत, संसार

4. (क) (i)   (ख) (ii)   (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) 2 अप्रैल सन् 1984

(ख) उनके साथ अंतरिक्ष में दो सोवियत अंतरिक्षयात्री वाई॰ वी॰ मैलीशेव तथा जी॰एम॰ स्ट्रेक्लोव गए थे।

(ग) सोयूज़ टी–II   (घ) उन्होंने कहा था, "सारे जहाँ से अच्छा।"

2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 10. स्वर्ग की यात्रा

I. मौखिक कौशल

1. चौपटपुर की प्रजा वहाँ के राजा और मंत्री से परेशान थी।
2. सियारों के चिल्लाने के बारे में मंत्री ने राजा को बताया कि इस वर्ष सर्दी अधिक पड़ रही है और बेचारे सियारों के पास ऊनी वस्त्र नहीं हैं इसलिए वे चिल्ला-चिल्लाकर आपसे कंबल माँग रहे हैं।
3. मंत्री ने जंगली भालू को राजा का शाही हाथी बताया।
4. मंत्री ने रसोइया महाराज को विश्वास दिलाया कि वह उनका बाल भी बाँका नहीं होने देगा।

II. लिखित कौशल

1. मंत्री का स्वभाव धूर्तता तथा चापलूसी से भरा था।
2. मंत्री अपने राजा से बार-बार वादा करता था कि वह हमेशा राजा के साथ रहेगा चाहे स्वर्ग हो या नरक।
3. राजा ने सियारों की सहायता करने के लिए सौ कंबल खरीदकर सियारों में बाँट देने का आदेश दिया।
4. राजा शिकार करने के लिए कभी जंगल गया ही नहीं था तथा उसने कभी भालू देखा ही नहीं था इसलिए वह जंगली भालू को पहचान ही न पाया।
5. रसोइया महाराज को राजा के लिए बनाया जाने वाला भोजन चूहे को खिलाकर मोटा कर देने के झूठे अपराध में सज़ा सुनाई गई थी।
6. अपने साथ मंत्री को भी फाँसी पर चढ़ा देने का आदेश राजा ने इसलिए दिया क्योंकि वह मंत्री को हमेशा अपने साथ रहने की बात करता था और मंत्री सदैव कहता था कि चाहे स्वर्ग हो या नरक वह राजा के साथ ही रहेगा।
7. (क) यह वाक्य मंत्री ने राजा से कहा क्योंकि जब राजा द्वारा सियारों में कंबल बँटवाने के बाद भी राजा ने सियारों का चिल्लाना सुना तो राजा को मूर्ख बनाने के लिए धूर्त मंत्री ने कहा कि अब सियार चिल्ला नहीं रहे बल्कि वे आपको धन्यवाद दे रहे हैं।

   (ख) जब राजा ने मंत्री को भी अपने साथ फाँसी पर चढ़ने के लिए कहा तो मंत्री ने आना-कानी करते हुए राजा से यह वाक्य कहा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ग) (ङ) (क) (ख) (घ)　　　2. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. चौपटपुर का राजा मूर्ख था। वह अपनी प्रजा के बारे में नहीं सोचता था। वह सही निर्णय लेने में सक्षम नहीं था। वह अपने मंत्री की धूर्तता और चापलूसी को उसकी बुद्धिमानी समझकर राज्य का धन व्यर्थ लुटाता रहता था। उसमें राजा होने का एक भी गुण विद्यमान नहीं था।
2. इन पंक्तियों से रसोइया महाराज द्वारा भ्रष्टाचार करने और रिश्वत देकर स्वयं को बचाने जैसे अनैतिक कामों का पता चलता है, जो उन्हें नहीं करना चाहिए था।

V. भाषा कौशल

1. (क) भूतकाल (ख) भविष्यत् काल (ग) वर्तमान काल (घ) भूतकाल
(ङ) वर्तमान काल (च) भूतकाल (छ) भविष्यत् काल
2. (क) नीता पिता जी से पूछकर पिकनिक पर गई थी।
(ख) समारोह में रसोइया महाराज ने बहुत स्वादिष्ट भोजन पकाया।
(ग) पीटर ने अपने मित्र हैरी को पत्र लिखा था।
(घ) राजकिशोर अपनी बात पर दो पल भी न टिका रह सका।
(ङ) सौरभ सबसे तेज़ दौड़ा और प्रथम आया।
3. (क) अपनी बात मनवाना (ख) चुगली करना (ग) बहुत क्रोधित होना
(घ) स्तब्ध हो जाना (ङ) घबरा जाना
4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 12. भारतवर्ष

I. मौखिक कौशल

1. इस कविता में भारतवर्ष के बारे में वर्णन किया गया है।
2. इस कविता के रचयिता सोहनलाल द्विवेदी हैं।

II. लिखित कौशल

1. हिमालय पर्वत संतरी अर्थात् सिपाही की तरह खड़ा है।
2. गंगा नदी की धारा निर्मल है।
3. कवि के अनुसार, भारतवर्ष का मान बढ़ाने के लिए हम तन-मन-धन से अपने देश पर न्योछावर हो जाएँगे तथा देश के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाते हुए इसका मान बढ़ाएँगे।
4. यह भारत भूमि वही पावन धरती है जहाँ भगवान राम और माता सीता जैसी देवी ने जन्म लिया। यह वही पूज्य धरा है जहाँ श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश देकर समस्त संसार को कर्म करने तथा फल की इच्छा न रखने का जीवन मंत्र दिया था।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) इनको (ख) प्यारी **2.** (क) (iii) (ख) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस कविता से हमें संदेश मिलता है कि हमें अपने देश भारत के प्रति सदैव सम्मान का भाव रखना चाहिए। अपने देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। हमें अपने देश पर और स्वयं पर गर्व करना चाहिए कि हमने भारत जैसी सभ्यता, संस्कार एवं संस्कृति की धरोहर से परिपूर्ण धरती पर जन्म लिया।

V. भाषा कौशल

1. (ख) सुलभ, दुर्लभ (ग) सुगम, दुर्गम
2. (क) गंगा की धारा निर्मल है। (ख) झरना दिन-रात झरता रहता है।
   (ग) जंगली जीव-जंतु वनों में रहते हैं।
   (घ) अधिक धन कमाने का लालच ठीक बात नहीं है।
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 13. बचपन की यादें

I. मौखिक कौशल

1. इंदिरा गांधी अपने पिता जवाहर लाल नेहरू को 'पापू' कहकर पुकारती थीं।
2. इंदिरा जी को नेहरू जी से जेल में पंद्रह दिनों में एक बार मिलने दिया जाता था।
3. इंदिरा जी की बुआ की तीन बेटियाँ थीं।
4. 6 दिसंबर 1921 को पुलिस इंदिरा जी के दादा जी और पापू को गिरफ़्तार करने आई थी।

II. लिखित कौशल

1. इंदिरा जी तार की जाली वाली अलमारी को 'डोल' कहती थीं। उनकी माँ उस डोल में तरह-तरह की मिठाइयाँ रखती थीं तथा इंदिरा को चुपके से मिठाइयाँ खाने को देती थीं इसलिए इंदिरा जी उन्हें 'डोल अम्माँ' कहती थीं।
2. सन् 1922 में नेहरू जी ने जेल से इंदिरा जी के बारे में लिखा था, "कल उसे देखे तीन महीने हो जाएँगे। वह बहुत कमज़ोर और दुबली है।"
3. इंदिरा जी ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि नेहरू जी का अधिकांश समय स्वाधीनता संग्राम के दौरों, जेलों या फिर प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारियाँ निभाने में व्यतीत होता था परंतु फिर भी उन्होंने इंदिरा के लिए हमेशा समय निकाला।
4. नेहरू जी द्वारा इंदिरा जी को लिखे गए पत्रों का संकलन 'पिता के पत्र पुत्री के नाम' शीर्षक को इंदिरा जी ने भारतीय साहित्य की निधि बताया है।
5. जब इंदिरा जी चार वर्ष की थीं तभी से अंग्रेज़ सरकार के प्रति उनके मन में घृणा पैदा हो गई थी।
6. जुर्माना अदा न करने के बदले जब पुलिस इंदिरा जी के घर का कीमती सामान उठाकर ले जाने लगी तब वे अपना गुस्सा काबू न कर पाईं और घूँसा तानकर पुलिस दारोगा पर झपट पड़ी थीं।
7. बच्चों के बारे में इंदिरा जी ने कहा था कि प्रदेश, भाषा और धर्म अलग-अलग होते हुए भी, देश में बच्चों के खेल, इच्छाएँ और सपने एक ही हैं। देश के लिए बच्चों के मन में गहरा प्यार है। इसी प्यार को शक्तिशाली बनाकर बच्चे देश का भविष्य उज्ज्वल करेंगे, इसका उन्हें विश्वास है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. (क) (ग)
2. इस पाठ में इंदिरा जी के निम्न गुणों की झलक मिलती है–
   (क) वे अपने माता-पिता से बहुत प्रेम करती थीं।
   (ख) वे बचपन से ही देशभक्त थीं।
   (ग) वे निडर तथा साहसी थीं।
   (घ) वे प्रतिभा की धनी थीं।

V. भाषा कौशल

1. (क) संख्यावाचक विशेषण (ख) संख्यावाचक विशेषण (ग) गुणवाचक विशेषण
(घ) संख्यावाचक विशेषण (ङ) संख्यावाचक विशेषण (च) गुणवाचक विशेषण
(छ) गुणवाचक विशेषण (ज) गुणवाचक विशेषण
2. (क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिंग (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग
(ङ) पुल्लिंग (च) स्त्रीलिंग
3. (क) इंदिरा जी की दो बुआएँ थीं।
(ख) नेहरू जी पर कई मुकदमे चले।
(ग) उनकी सारी इच्छाएँ पूरी न हो सकीं।
(घ) विविधता होने पर भी बच्चों के सपने एक ही हैं।
(ङ) अंग्रेज़ सरकार के अत्याचार इंदिरा जी के विचारों को तेज़ी के साथ मथ रहे थे।
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों की मदद करें।)

पाठ 14. स्वार्थी दानव

I. मौखिक कौशल

1. बाग में एक दानव रहता था।
2. दानव ने बाहर से लौटने पर अपने बाग में बच्चों को खेलते देखा।
3. चारदीवारी के सूराख से बाग के अंदर बच्चे घुस आए थे।
4. दानव ने कुदाल उठाकर बाग की चारदीवारी तोड़ दी।

II. लिखित कौशल

1. दानव का बाग बहुत बड़ा और सुंदर था।
2. दानव ने बाग के चारों ओर चारदीवारी इसलिए बनवा दी थी कि ताकि बच्चे उसके बाग में न घुस पाएँ।
3. वसंत ऋतु के आने पर भी बाग के पेड़ों में न तो नई कोपलें निकलीं और न ही बाग में कोई फूल ही खिला। हरी-हरी घास भी सूखकर पीली पड़ गई। न तो कोई पक्षी चहका और न ही ठंडी हवाएँ चलीं।
4. एक दिन अचानक दानव को कहीं से मधुर संगीत सुनाई दिया। वह तुरंत उठ बैठा। एक चिड़िया उसकी खिड़की के बाहर चहचहा रही थी। बहुत समय से उसने किसी पक्षी की आवाज़ नहीं सुनी थी। उसका चहचहाना दानव को बहुत अच्छा लगा और वह सोचने लगा, 'ओह! तो आ गया वसंत!'
5. दानव ने घर से बाहर निकलकर देखा कि बाग की चारदीवारी में एक सूराख हो गया है और कुछ बच्चे उसमें से बाग में घुस आए हैं।
6. दानव छोटे-से बच्चे के पास गया। बच्चा उसे देखकर सहम गया। दानव ने उसे पुचकारकर गोद में उठा लिया, उसे प्यार किया और पेड़ की शाखाओं तक पहुँचा दिया।
7. लोगों ने देखा कि दानव के बाग में बच्चे खेल रहे हैं। यह देखकर लोगों को आश्चर्य हुआ पर उससे भी ज़्यादा आश्चर्य उन्हें यह देखकर हुआ कि दानव भी बच्चों के साथ खेल रहा है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) गलत
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि हमें केवल अपने लिए ही नहीं जीना चाहिए बल्कि दूसरों की खुशी में भी शामिल होना चाहिए तथा दूसरों को भी अपनी खुशी में शामिल करना चाहिए। यह कहानी मिल-जुलकर प्रेम भाव से रहने की शिक्षा देती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) क्रिया (ख) संज्ञा (ग) विशेषण (घ) संज्ञा (ङ) विशेषण
   (च) सर्वनाम (छ) संज्ञा (ज) विशेषण
2. (क) राक्षस, दैत्य (ख) बगीचा, वाटिका (ग) वृक्ष, तरु (घ) पंछी, विहग
3. (क) विश्वास (ख) चारदीवारी (ग) चिड़िया (घ) उपस्थित (ङ) ऊँची
4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. अवसर, बालक, पेड़, घास, डर, सड़क, प्रसन्नता, शाखा
2. **3.** बच्चे स्वयं करें। अध्यापक/अध्यापिका मुगल गार्डन के बारे में बच्चों को बताएँ।

पाठ 15. भारत-दर्शन

I. मौखिक कौशल

1. भारत के निवासियों को भारतीय होने का गर्व है।
2. दुनिया के सबसे लंबे सड़क पुल का नाम 'महात्मा गांधी सेतु' है।
3. लखनऊ को 'नवाबों का शहर' कहा जाता है।
4. काठगोदाम से नैनीताल की दूरी लगभग 35 किलोमीटर है।
5. समुद्र मार्ग से कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर के बीच की दूरी लगभग 1300 किलोमीटर है।

II. लिखित कौशल

1. गुरु गोविंद सिंह का जन्म पटना में हुआ था।
2. 'पटना' का नाम 'पाटन' देवी के नाम पर पड़ा है।
3. अगम कुआँ के बारे में कहा जाता है कि सम्राट अशोक ने अपने निन्यानवे भाइयों का वध करके उन्हें इसी कुएँ में डाल दिया था।
4. गोलघर का निर्माण अकाल के समय में अनाज भंडारण के उद्देश्य से करवाया गया था।
5. लखनऊ प्राचीन कोसल राज्य का हिस्सा था। यह भगवान राम की विरासत थी, जिसे उन्होंने अपने भाई लक्ष्मण को सौंप दिया था। तब इसे लखनपुर के नाम से जाना गया, जो बाद में बदलते-बदलते 'लखनऊ' हो गया।
6. बड़ा इमामबाड़ा का निर्माण आसफ़उद्दौला ने सन् 1784 में करवाया था।
7. नैनी झील का जल गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हलका नीला हो जाता है।
8. नकुचिया झील की विशेषता है कि यह नौ कोनों वाली झील है। नाव में सवार होकर बारी-बारी से इन कोनों के समीप से गुज़रना पर्यटकों को आनंदित कर देता है।
9. अंग्रेज़ी शासन काल में जब भारतीय क्रांतिकारियों को 'काला पानी' की सज़ा सुनाई जाती थी तो उन्हें सेल्युलर जेल में रखा जाता था। यह जेल समुद्र के बीच बनी हुई है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सन् 1786 (ख) कोसल (ग) हुसैनाबाद (घ) भीमताल
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों में त्याग और भ्रातृ-प्रेम जैसे मानवीय गुणों की झलक मिलती है।
2. इन पंक्तियों से हमें संदेश मिलता है कि देश को आज़ादी दिलाने वाले क्रांतिकारियों के प्रति राष्ट्र अटूट श्रद्धा रखता है। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

V. भाषा कौशल

1. (क) यहाँ (ख) दूर तक (ग) अवश्य (घ) आसानी (ङ) परसों (च) ऊपर
2. (क) भंडारण (ख) पर्यटक (ग) खंडहर (घ) विशिष्ट (ङ) सांस्कृतिक (च) क्रांतिकारी
3. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 16. श्रेष्ठ कौन

I. मौखिक कौशल

1. काशी नरेश अपनी प्रजा का ध्यान अपनी संतान की तरह रखते थे।
2. काशी नरेश ने राजमहल के कर्मचारियों से अपने दोषों के बारे में पूछा।
3. कोसल नरेश बहुत अच्छे चरित्र के राजा थे।

II. लिखित कौशल

1. काशी नरेश अपनी प्रजा का बहुत ध्यान रखते थे। राजा तथा मंत्रीगण किसी के साथ अन्याय नहीं करते थे। इससे राज्य की प्रजा बहुत प्रसन्न रहती थी।
2. काशी नरेश अपने अंदर छिपे दोषों के बारे में जानना चाहते थे जिससे कि उन्हें दूर किया जा सके।
3. काशी नरेश ने राज्य में घूम-घूमकर अपने दोषों के बारे में जानना चाहा पर किसी ने उनके दोष की बात नहीं की, सब उनके गुणों की ही प्रशंसा करने लगे। तब हारकर उन्होंने सारथी को रथ वापस लौटाने के लिए कहा।
4. कोसल नरेश भी काशी नरेश की भाँति अपने दोष जानने के लिए घूम रहे थे।
5. दोनों सारथी अपने-अपने राजाओं की प्रशंसा करके उन्हें श्रेष्ठ बताने लगे। कोसल नरेश के सारथी ने कहा, "हमारे राजा बड़े अच्छे चरित्र के हैं। वे कठोर लोगों के प्रति कठोरता, कोमल लोगों के प्रति कोमलता, सज्जनों के साथ सज्जनता तथा दुष्टों के साथ दुष्टता का व्यवहार करते हैं। यही उनकी श्रेष्ठ नीति है।" उसकी यह बात सुनकर काशी नरेश का सारथी भी अपने राजा की प्रशंसा में बोल उठा–हमारे काशी नरेश क्रोधी को प्रेम द्वारा, दुष्ट को सज्जनता द्वारा तथा कंजूस को अपनी दानवीरता द्वारा जीतते हैं। वे झूठ को सच के बल पर जीतने का प्रयास करते हैं। यही उनके श्रेष्ठ गुण हैं।
6. काशी नरेश की श्रेष्ठता की बातें सुनकर कोसल नरेश सोचने लगे कि जो दुष्ट के साथ भी अच्छा व्यवहार करे और अपनी विनयशीलता से उसकी दुष्टता को जीत ले, वही सच में श्रेष्ठ है। उन्होंने मन-ही-मन काशी नरेश की सराहना की और उनके रथ को निकलने का आदेश दे दिया।
7. इन पंक्तियों का अर्थ है कि जो व्यक्ति दुष्ट के साथ दुष्टता का व्यवहार करता है, वह कभी श्रेष्ठ नहीं हो सकता। जिस तरह पाप को पुण्य से जीता जाता है, उसी तरह बुराई को अच्छाई से जीता जाता है। अत: वही श्रेष्ठ है जो दुष्ट व्यक्ति के साथ भी अच्छा व्यवहार करता है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ख) (ङ) (घ) (ग) (क)
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. हमें दोनों नरेशों में से काशी नरेश का चरित्र ज़्यादा अच्छा लगा क्योंकि काशी नरेश अपनी प्रजा का अच्छी तरह ध्यान रखने के साथ-साथ बहुत ही सज्जन पुरुष थे। वे बुराई को बुराई से नहीं अपितु बुराई को अच्छाई के बल पर जीतने का प्रयास करते थे। वे दुष्ट या अपराधी को दंड से नहीं बल्कि प्रेम एवं सहानुभूति से सही मार्ग पर लाने का प्रयत्न करते थे।

2. एक अच्छे राजा में निम्न मानवीय गुण होने चाहिए–

(i) एक अच्छे राजा को अपनी प्रजा का भली प्रकार ध्यान रखना चाहिए।

(ii) एक अच्छे राजा को न्यायप्रिय होना चाहिए।

(iii) एक अच्छा राजा बुराई को भलाई से जीतने का प्रयत्न करता है।

(iv) एक अच्छे राजा को दयालु होना चाहिए।

(v) एक अच्छे राजा को स्वयं से पहले अपनी प्रजा के बारे में सोचना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) जातिवाचक संज्ञा (ग) जातिवाचक संज्ञा
(घ) जातिवाचक संज्ञा (ङ) जातिवाचक संज्ञा (च) भाववाचक संज्ञा
2. (क) सकर्मक (ख) अकर्मक (ग) अकर्मक (घ) सकर्मक
(ङ) सकर्मक (च) अकर्मक
3. (क) अवगुण (ख) सरल (ग) असमान (घ) अनुचित (ङ) अच्छाई (च) झूठ
4. (क) सारथी ने कोसल नरेश का रथ वापस लौटाया।
(ख) काशी नरेश का चरित्र ज़्यादा अच्छा था।
(ग) काशी नरेश के अंदर कोई दोष नहीं था।
(घ) प्रजा के साथ अन्याय नहीं करना चाहिए।
(ङ) होली बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है।
5. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 18. रहीम के दोहे

I. मौखिक कौशल

1. कृष्ण और सुदामा के बारे में कवि ने कहा है कि जो लोग किसी गरीब का हित करते हैं, उनसे अधिक धनी और कोई नहीं होता जिस प्रकार गरीब सुदामा के मित्र कृष्ण ने उनकी दरिद्रता दूर कर दी थी।
2. इन दोहों के रचयिता रहीम हैं।

II. लिखित कौशल

1. कवि हमें ऐसी बोली बोलने के लिए कह रहे हैं जिसे सुनकर न केवल दूसरों को अच्छा लगे अपितु हम स्वयं भी अच्छा अनुभव करें।
2. दूध के बारे में कवि ने कहा है कि यदि दूध फट जाए तो लाख प्रयत्न करने पर भी उसमें से मक्खन नहीं निकाला जा सकता है।
3. कवि के अनुसार, जो व्यक्ति किसी के पास कुछ माँगने जाता है उस व्यक्ति की आत्मा तो पहले ही मृत हो जाती है। पर उससे पहले उस व्यक्ति की आत्मा मर जाती है जो उसे कुछ नहीं देता अथवा जिसके मुँह से शब्द ही नहीं निकलते।
4. कवि ने सुई और तलवार का उदाहरण छोटी तथा बड़ी किसी भी वस्तु का विशेष महत्व बताने के लिए दिया है। वस्तु छोटी हो अथवा बड़ी उसका अपना अलग महत्व होता है। जिस प्रकार जो काम सुई से किया जाता है, उसके स्थान पर तलवार से नहीं किया जा सकता तथा जो काम तलवार कर सकती है वह सुई से नहीं किया जा सकता। दोनों का अपना-अपना महत्व है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) लाख, माखन (ख) गरीब, कृष्ण **2.** (क) (iii) (ख) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

कृष्ण और सुदामा की मित्रता से हमें सीख मिलती है कि सच्चा मित्र वही होता है जो विपरीत परिस्थितियों तथा मुश्किल समय में भी अपने मित्र का साथ नहीं छोड़ता तथा मित्र की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहता है।

V. भाषा कौशल

1. (क) पुल्लिग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिग (घ) पुल्लिग
2. (क) धनी (ख) वाणी (ग) नहीं (घ) बिगड़े
3. (क) राजा के पास सोने की तलवार थी।
   (ख) दुनिया में अच्छे-बुरे सभी तरह के लोग रहते हैं।
   (ग) हमें अपने सभी काम निश्चित समय पर करने चाहिए।
   (घ) ऋचा का मन पढ़ाई में नहीं लगता। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. अकबर के दरबार के बाकी आठ नवरत्न थे-फ़ैज़ी, अबुल फ़ज़ल, मान सिंह, तानसेन, टोडरमल, बीरबल, मुल्ला दो प्याजा तथा फ़कीर अज़ीओद्दीन
2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 19. हृदय परिवर्तन

I. मौखिक कौशल

1. महात्मा बुद्‌ध भ्रमण करते हुए मगध देश के एक गाँव में पहुँचे थे।
2. ग्रामवासी अंगुलिमाल डाकू से परेशान थे।
3. वृद्‌धा ने महात्मा बुद्‌ध को जंगल से वापस जाने के लिए इसलिए कहा क्योंकि अंगुलिमाल की माला पूरी होने में एक ही अंगुली शेष बची थी और वह उसी के लिए किसी व्यक्ति की तलाश कर रहा था। वृद्‌धा को डर था कि कहीं अंगुलिमाल महात्मा बुद्‌ध को नुकसान न पहुँचा दे।
4. नहीं, अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्‌ध का वध नहीं किया था।

II. लिखित कौशल

1. महात्मा बुद्‌ध ने जब ग्रामवासियों से हालचाल पूछा तो उन्होंने जवाब दिया कि हम सब बहुत दुखी हैं।
2. ग्रामवासियों ने महात्मा बुद्‌ध को अंगुलिमाल के बारे में बताया कि वह गाँव के समीप एक जंगल में रहता है। वह अपनी इष्ट देवी को एक हज़ार अंगुलियों की माला पहनाकर सिद्‌धियाँ प्राप्त करना चाहता है इसलिए वह प्रतिदिन एक व्यक्ति को मारता है और उसकी एक अंगुली काटकर ले जाता है।
3. महात्मा बुद्‌ध को अंगुलिमाल के रहने का स्थान एक वृद्‌धा ने बताया।
4. महात्मा बुद्‌ध को देखकर अंगुलिमाल ने कहा, ''भला मेरे द्‌वार पर कोई आए और मैं उसे ऐसे ही विदा कर दूँ, यह तो पाप है!''
5. अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्‌ध पर प्रहार करने के लिए जैसे ही अपना हाथ उठाया उसका हाथ हवा में ही अटका रह गया। उसके पाँव जहाँ के तहाँ ज़मीन में जैसे जम गए थे।
6. जब महात्मा बुद्‌ध ने अपना परिचय दिया तब अंगुलिमाल ने कहा, ''गौतम! गौतम! क्या आप महात्मा बुद्‌ध हैं? आप एक निर्दोष के प्राण बचाने हेतु स्वयं अपने प्राण देने चले आए। मैं पापी आपको पहचान भी न पाया और आप पर वार करने चला! मेरे पापों का कोई प्रायश्चित नहीं। हे प्रभु! मैं क्षमा योग्य भी नहीं, मुझे दंड दीजिए।''
7. (क) यह वाक्य अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्‌ध से कहा।
   (ख) यह वाक्य महात्मा बुद्‌ध ने अंगुलिमाल से कहा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) गलत (घ) सही (ङ) सही
2. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. महात्मा बुद्‌ध एक निर्दोष व्यक्ति के प्राण बचाने के लिए अपने प्राणों की बलि देने अंगुलिमाल के पास पहुँच गए। उन्होंने अंगुलिमाल के कटु व्यवहार एवं अपराध के बाद भी उसे क्षमा कर दिया। अंगुलिमाल महात्मा बुद्‌ध के दया, क्षमा, मानवीयता, करुणा आदि गुणों से बहुत प्रभावित हुआ।

2. वृद्धा ने महात्मा बुद्ध को जंगल से लौट जाने को कहा। ऐसा करके उन्होंने एक मनुष्य का दूसरे मनुष्य के प्रति सुरक्षा का भाव और चिंता से संबंधित मानवीय गुण का परिचय दिया।

V. भाषा कौशल

1. (क) प्रेरणार्थक क्रिया (ख) सामान्य क्रिया (ग) प्रेरणार्थक क्रिया
(घ) सामान्य क्रिया (ङ) प्रेरणार्थक क्रिया (च) सामान्य क्रिया
(छ) सामान्य क्रिया (ज) प्रेरणार्थक क्रिया
2. (क) बहुवचन (ख) बहुवचन (ग) एकवचन (घ) एकवचन (ङ) बहुवचन
3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) लुंबिनी (ख) बोधगया (ग) सारनाथ (घ) श्रावस्ती (ङ) वैशाली
(च) कुशीनगर (छ) राजगीर (ज) साँची
2. 3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 20. गुलीवर की यात्रा

I. मौखिक कौशल

1. गुलीवर लिलिपुट टापू पर पहुँच गया था।
2. गुलीवर ने जब इशारा करके पानी माँगा तब लिलिपुटवासियों ने कई नन्हे-नन्हे पीपे गुलीवर के मुँह में उड़ेलने शुरू कर दिए।
3. सिपाहियों ने छह लोगों को गिरफ़्तार कर लिया था।
4. कुछ व्यक्ति गुलीवर के भोजन-पानी का खर्च देखकर सोचने लगे कि इससे देश में अकाल पड़ जाएगा इसलिए वे गुलीवर की हत्या करना चाहते थे।
5. ब्लेफुस्कू के बादशाह ने लिलिपुट पर चढ़ाई की योजना बनाई थी।

II. लिखित कौशल

1. गुलीवर का जहाज़ दक्षिणी सागर के तूफ़ान में फँस गया था।
2. जब गुलीवर की नींद खुली तो उसने अपने-आपको पतले-पतले धागों से बँधा पाया और उसने देखा कि मानव आकृति के बहुत छोटे-छोटे से जीव उसके ऊपर रेंगते हुए चढ़ते जा रहे थे।
3. भूख-प्यास लगने पर गुलीवर ने अपने हाथों से इशारा करके भूखा-प्यासा होने का संकेत दिया।
4. लिलिपुट के बादशाह ने गुलीवर के भोजन-पानी का सारा दायित्व अपने ऊपर ले लिया और गुलीवर को उस देश की भाषा सिखाने के लिए छह विद्वानों को नियुक्त कर दिया।
5. गुलीवर को खुले में घूमने-फिरने के लिए बादशाह की यह शर्त माननी पड़ी थी कि वह बादशाह की आज्ञा के बिना कहीं आ-जा नहीं सकता तथा किसी देश से युद्ध छिड़ जाने पर उसे लिलिपुटवासियों की सहायता करनी पड़ेगी।
6. गुलीवर कुछ रस्सियाँ और काँटे लेकर ब्लेफुस्कू की खाड़ी की ओर चल दिया। गुलीवर ने खाड़ी में घुसकर वहाँ खड़े सभी जहाज़ों को काँटों में फँसा लिया और उन्हें खींचता हुआ लिलिपुट की ओर लेकर चल दिया और इस तरह गुलीवर ने लिलिपुटवासियों को ब्लेफुस्कू के आक्रमण से बचा लिया।
7. नाव पर सवार होकर गुलीवर अपने देश के लिए चल पड़ा।
8. गुलीवर अपने देश वापस जा रहा था, उसको इस बात की खुशी थी। परंतु लिलिपुटवासियों से उसे जो प्यार और स्नेह मिला था, उसे वह भुला नहीं पा रहा था। लिलिपुटवासियों से बिछुड़ने का गुलीवर को बहुत दुख था। तभी उसने कहा कि यह उसके जीवन की अविस्मरणीय और अनोखी यात्रा थी।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ङ) (घ) (ख) (क) (ग) **2.** (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. (क) इन पंक्तियों से पता चलता है कि बादशाह अच्छे तथा बहादुर इनसान की कद्र करता था।
   (ख) इन पंक्तियों से पता चलता है कि गुलीवर नम्र दिल का इनसान था। जो लोग गुलीवर को परेशान कर रहे थे उसने उनको भी जीवनदान दे दिया।
2. इन पंक्तियों में बादशाह ने दूसरों के उपकार के प्रति अहसानमंद होने तथा दूसरों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करने जैसे मानवीय गुणों तथा अतिथि के स्वागत-सत्कार तथा विदाई

से संबंधित शिष्टाचार प्रकट करने जैसे मानवीय गुणों का भी परिचय दिया है।

V. भाषा कौशल

1. (क) भूतकाल (ख) भूतकाल (ग) भविष्यत् काल (घ) वर्तमान काल
(ङ) भूतकाल (च) भविष्यत् काल

2. (क) वर्तमान काल – मैं पानी पीने का इशारा कर रहा हूँ।
भविष्यत् काल – मैं पानी पीने का इशारा करूँगा।
(ख) वर्तमान काल – वे मुझपर तीर चलाते हैं।।
भविष्यत् काल – वे मुझपर तीर चलाएँगे।
(ग) भूतकाल – मैंने उनकी भाषा सीख ली।
वर्तमान काल – मैं उनकी भाषा सीख रहा हूँ।
(घ) भूतकाल – मैं बादशाह की आज्ञा के बिना कहीं नहीं गया।
भविष्यत् काल – मैं बादशाह की आज्ञा के बिना कहीं नहीं जाऊँगा।
(ङ) भूतकाल – उन्होंने गुलीवर को छोड़ दिया।
वर्तमान काल – वे गुलीवर को छोड़ रहे हैं।
(च) भूतकाल – मैंने यह टापू छोड़ दिया।
भविष्यत् काल – मैं यह टापू छोड़ दूँगा।

3. (ख) सोना - सोते-सोते (ग) चिल्लाना - चिल्लाते-चिल्लाते (घ) सोचना - सोचते-सोचते
(ङ) निकलना - निकलते-निकलते (च) चलना - चलते-चलते

4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. 2. बच्चे स्वयं करें।

3. नाव, सेलबोट, मोटरबोट, स्टीमर, जहाज़ तथा सबमरीन पानी पर चलने वाले वाहन हैं।

पाठ 21. हवा रानी को चाहिए बदलाव

I. मौखिक कौशल

1. हवा रानी अपनी वर्तमान हालत में बदलाव चाहती थी।
2. हवा रानी ने समुद्र, सूरज, धरती, हवा, ज्वालामुखी तथा गिलहरी से मुलाकात की।

II. लिखित कौशल

1. हवा मुख्यतः नाइट्रोजन, ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड गैसों से बनी है।
2. सूरज ने हवा रानी से पूछा, "तुम अपने आपको क्यों बदलना चाहती हो?"
3. धरती ने हवा रानी को समझाया, "समुद्र, सूरज और मैंने मिलकर पृथ्वी पर तुम्हारे लिए ऐसा वातावरण बनाया है कि तुम स्वच्छंद होकर जहाँ चाहो आ-जा सको। तुम आसानी से सारी दुनिया देख सकती हो और क्या चाहिए तुम्हें?"
4. ज्वालामुखी ने हवा रानी के जन्म के बारे में बतलाया, "मेरे पूर्वजों ने तुम्हें बनाने में लाखों वर्ष लगाए। पहले यह पृथ्वी केवल गर्म गैसों का एक गोला थी। गैसें ठंडी हुईं तो पृथ्वी की सतह बन गई। उस सतह पर तब कुछ भी नहीं था। फिर मेरे पूर्वजों ने धूल और गैसों को उगलना शुरू किया जो धरती की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण वहीं ठहर गईं। बहुत लंबे समय के बाद उन गैसों से तुम बनीं।"
5. जब हवा रानी ने स्वयं को बदलने की बात कही तो पेड़ घबरा गया क्योंकि यदि हवा में ज़रा भी फेरबदल हुआ तो जीव-जंतु और पेड़-पौधे मर जाएँगे।
6. जैसे ही हवा रानी शहर पहुँची, धुएँ का एक काला बादल उसके चेहरे से जा टकराया और उसके चेहरे पर कालिख लग गई। जब वह शहर के बीचोंबीच पहुँची तब गाड़ियों, ट्रकों, बसों के जमघट में तथा चारों ओर बने बड़े-बड़े भवनों के बीच फँस गई। धुएँ, धूल तथा बदबूदार गैसों से उसका दम घुटने लगा। उसका सिर चकराने लगा, वह खाँसती जा रही थी तथा उसकी साँसें रुकी जा रही थीं।
7. शहर पहुँचने पर जब वहाँ के प्रदूषण से हवा रानी का दम घुटने लगा तो वह देहात के खुले वातावरण की ओर भागी तब उसने स्वयं को बदलने का इरादा छोड़ दिया क्योंकि वह समझ चुकी थी कि उसका यह बदलाव उसे ही नहीं, मनुष्य तथा पृथ्वी के दूसरे जीवों का भी नाश कर देगा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सूरज ने (ख) हवा ने (ग) ज्वालामुखी ने (घ) गिलहरी ने
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. समुद्र ने संदेश देना चाहा है कि हमें सिर्फ़ अपने बारे में ही नहीं सोचना चाहिए अपितु दूसरों का भी ख्याल रखना चाहिए।
2. इस पाठ से शिक्षा मिलती है कि हमें आपस में एक-दूसरे से सलाह करनी चाहिए तथा मिल-जुलकर रहना चाहिए। हमें स्वयं भी पर्यावरण की देखभाल करनी चाहिए तथा दूसरों को भी जागरूक बनना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) हवा को यह बात अच्छी नहीं लगी। (ख) ज्वालामुखी ने गैसों के गोले उगले।
(ग) पेड़ ने भी उसे समझाना चाहा। (घ) कारखाने से ज़हरीली गैस निकली।

2. (क) बहुवचन (ख) एकवचन (ग) एकवचन (घ) बहुवचन (ङ) बहुवचन

3. (क) (i) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।